भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 2161
गुरुवार, 12 फरवरी, 2026/23 माघ, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

पश्चिमी सिंहभूम में हवाई संपर्क

2161. श्रीमती जोबा माझीः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) लौह अयस्क खनन और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की उपस्थिति के कारण एक प्रमुख राजस्व उत्पादक केंद्र होने के बावजूद सीधे हवाई संपर्क से वंचित है और जिसके कारण निवासियों को दुर्गम रास्तों से लगभग 200 किमी दूर रांची की यात्रा करने के लिए मजबूर होना पड़ता है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार के पास चाईबासा में मौजूदा हवाईपट्टी को एक क्षेत्रीय हवाई अड्डे के रूप में उन्नत और क्रियान्वित करने के लिए उड़ान योजना के तहत कोई प्रस्ताव है जिससे सारंडा वन क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों और पर्यटन को बढ़ावा मिल सके और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या इस उद्देश्य के लिए कोई व्यवहार्यता अध्ययन शुरू किया गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग): झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में स्थित राज्य सरकार के स्वामित्व वाली चाईबासा हवाईपट्टी का वर्तमान में हेलीपैड के रूप में उपयोग किया जा रहा है और इसमें परिचालन रनवे नहीं है। तथापि, हवाईपट्टी 'उड़ान' दस्तावेज में असेवित हवाईपट्टियों की सूची में उपलब्ध है। आज की तारीख तक किसी भी एयरलाइन बोलीदाता ने चाईबासा हवाईपट्टी से आरसीएस उड़ानें परिचालित करने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किए हैं। योजना के प्रावधानों के अनुसार, असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों का पुनरुद्धार/उन्नयन, वैध बोली के माध्यम से इसकी पहचान किए जाने और चयनित एयरलाइन प्रचालक को अवार्ड करके किया जाता है।

यदि कोई एयरलाइन भविष्य में बोली प्रक्रिया के चरण में चाईबासा हवाईपट्टी को जोड़ने वाली आरसीएस उड़ानों के परिचालन के लिए वैध प्रस्ताव प्रस्तुत करती है, तो उस पर योजना के प्रावधानों के अनुसार विचार किया जा सकता है।

*****